

Title: Need to accord approval for construction of Ramayan complex at Chitrakoot, Uttar PRadesh.

श्री गणेश सिंह (सतना) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको बहुत बहुत धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे यहां एक अति महत्वपूर्ण विषय उठाने की अनुमति दी है। मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय केन्द्र सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूँ। भगवान श्रीराम का जीवन चरित्र जिसका वर्णन रामायण महाकाव्य में लिपिबद्ध है, तैत्तिरीय युग में भगवान श्रीराम की कथा का पूरा जीवन दर्शन बताया गया है तथा पूरी दुनिया को पता है कि भगवान श्रीराम ने अपने चौदह वर्ष के वनवास के समय में से साढ़े ब्यारह वर्ष चित्तकूट में बिताये थे। आज भी वहां उनकी महिमा कण-कण में विद्यमान है। लाखों लोग वहां आते-जाते हैं। भगवान श्रीराम का जीवन-दर्शन लोग बहुत ही नजदीक से देखना चाहते हैं। श्रीराम को सिर्फ भगवान के रूप में न देखते हुए, उनके आदर्श जीवन का अनुपालन करना हर मानव के लिए आज जरूरी है। उन सभी घटनाक्रमों को रामायण महाकाव्य की चौपाइयों के साथ, उनकी आकृति-चिन्हों सहित, एक रामायण परिसर बनाये जाने की मांग काफी लम्बे समय से की जा रही है। कुरुक्षेत्र में महाभारत तथा चित्तकूट में रामायण दोनों का ऐतिहासिक परिसर वहां बनाना अत्यंत आवश्यक है। पर्यटन एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से यह अत्यंत उपयोगी होगा। मैं आपके माध्यम से पर्यटन मंत्रालय से मांग करता हूँ कि वह अविलम्ब इस प्रोजेक्ट की स्वीकृति दे ताकि वहां पर एक नया रामायण परिसर विकसित हो सके।

माननीय अध्यक्ष :

श्री गैरें प्रसाद मिश्र और

डॉ. किशोर पी.सोलंकी को श्री गणेश सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।